1

0331CH01

सीखो

आनंदमयी कविता

फूलों से नित हँसना सीखो, भौंरों से नित गाना।
तरु की झुकी डालियों से नित, सीखो शीश झुकाना।

सीख हवा के झोंकों से लो, कोमल भाव बहाना।
दूध तथा पानी से सीखो, मिलना और मिलाना।

सूरज की किरणों से सीखो, जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो, सबको गले लगाना।

दीपक से सीखो जितना, हो सके अँधेरा हरना।
पृथ्वी से सीखो प्राणी की, सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे, जीवन-पथ में बढ़ना।
और धुएँ से सीखो हरदम, ऊँचे ही पर चढ़ना।

– श्रीनाथ सिंह

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपको इस चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

2. इनमें से कौन-कौन सी वस्तुएँ आप प्रतिदिन देखते हैं?
3. उगते हुए सूरज को देखकर आपके मन में किस प्रकार के भाव आते हैं?
4. रंग-बिरंगे फूलों को देखकर आपको कैसा लगता है?

Unit 1 1 to 45.indd 2 09-Apr-24 12:46:48 PM

कविता की बात

1. किससे क्या सीखें, मिलान कीजिए—

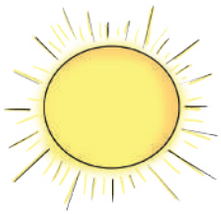

- हँसना
- जीवन में सदैव आगे बढ़ना
- जगना और जगाना
- अँधेरा दूर करना
- गीत गाना
- शीश झुकाना

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 3 09-Apr-24 12:46:51 PM

2. **कविता में किससे सीखने की बात आपको सबसे अच्छी लगी? उसका चित्र बनाइए और नाम लिखिए—**

....

3. **पढ़िए और बताइए कि यह भाव कविता की किस पंक्ति में आया है—**

(क) पेड़ों की झुकी डालियों से हमें यह सीखना है कि हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

.....

(ख) हवा के झोंकों से हमें सीखना है कि हम हमेशा कुछ न कुछ काम करते रहें।

कविता की पंक्ति

.....

(ग) नदी-नहर से हमें सीखना है कि जीवन आगे बढ़ने का नाम है और हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कविता की पंक्ति

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 4 09-Apr-24 12:46:51 PM

कविता से आगे

1. सूरज से 'जगना और जगाना' सीखने की बात कही गई है। हम सूरज से और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए —

(क) .....

.....

(ख) .....

.....

2. लता और पेड़ों से एक-दूसरे के साथ प्रेम और सद्भाव की बात सीखने के लिए कहा गया है। इनसे हम और क्या-क्या सीख सकते हैं? कोई दो बातें लिखिए—

(क) .....

.....

(ख) .....

.....

3. हम सभी में कोई न कोई विशेषता अवश्य होती है। आप अपने सहपाठी की कौन-सी बात सीखना चाहते हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 5 16-Apr-24 3:21:02 PM

भाषा की बात

शब्द	अर्थ
तरु	पेड़
शीश	सिर
पृथ्वी	धरती
हरना	दूर करना
पथ	रास्ता/मार्ग

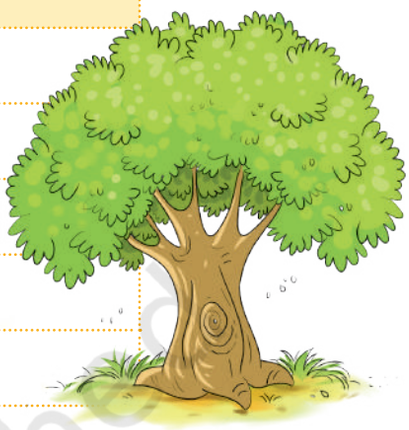

1. ऊपर दी गई सूची को ध्यान से पढ़िए। इनमें से कोई दो शब्द लेकर वाक्य बनाइए—

(क) .....

(ख) .....

2. दूध और पानी से सीखो, मिलना और मिलाना। रेखांकित शब्दों के समान कुछ और शब्द बनाइए —

हँसना और हँसाना	खाना और खिलाना
.....	.....
.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 6 09-Apr-24 12:46:52 PM

3. ‘स’ और ‘प’ वर्ण से प्रारंभ होने वाले शब्दों को कविता से खोजकर लिखिए —

स	प
सीखो	पानी
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

4. तालिका ‘अ’ तथा ‘ब’ में दिए गए शब्दों का उच्चारण कीजिए और इनमें अंतर पहचानिए —

तालिका ‘अ’

पड़ा
बड़ा
अड़ना
उड़ना
कड़ाई
लड़ाई

तालिका ‘ब’

पढ़ा
बढ़ा
बढ़ना
पढ़ना
कढ़ाई
चढ़ाई

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 7 09-Apr-24 12:46:52 PM

बूझो तो जानें

एक फूल, एक फल है भाई।
दोनों मिलकर बने मिठाई।

बिना बाल की पूँछ लिए वह भाग रहा है,
सब सोते, वह रात-रात भर जाग रहा है।
काट-काटकर कागज, कपड़े खुश होता है,
और धरातल के नीचे घर में सोता है।

आइए मिलकर गाएँ

आइए, पाठ में पढ़ी गई कविता को हम सब मिलकर गाएँ।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 8 09-Apr-24 12:46:53 PM

2

0331CH02

चींटी

आनंदमयी कविता

हर पल चलती जाती चींटी,
श्रम का राग सुनाती चींटी।

कड़ी धूप हो या हो वर्षा,
दाना चुनकर लाती चींटी।

सचमुच कैसी कलाकार है,
घर को खूब सजाती चींटी।

छोटा तन, पर बड़े इरादे,
नहीं कभी घबराती चींटी।

नन्हे-नन्हे पैर बढ़ाकर,
पर्वत पर चढ़ जाती चींटी।

काम बड़े करके दिखलाती,
जहाँ कहीं अड़ जाती चींटी।

मेहनत ही पूजा है प्रभु की,
हमको यही सिखाती चींटी।

– प्रकाश मनु

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपने अपने आस-पास, घर और विद्यालय में कौन-कौन से जीव-जंतु देखे हैं?
2. आपने सबसे छोटा कौन-सा कीट देखा और कहाँ देखा है?
3. आपने चींटी के अतिरिक्त और कौन-कौन से श्रम करने वाले जीव देखे हैं?
4. नन्ही चींटी के बारे में अपना कोई अनुभव बताइए।

कविता से आगे

1. नीचे कुछ वस्तुओं के चित्र बने हैं। बताइए, चींटियाँ किसे खाना चाहेंगी? उस पर ☺ का चिह्न बनाइए—

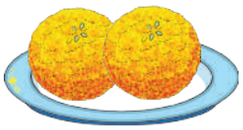

लड्डू

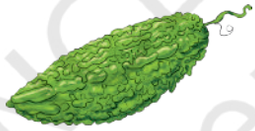

करेला

गेहूँ के दाने

चीनी

शहद

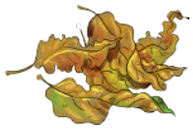

सूखी पत्तियाँ

2. निम्नलिखित पंक्तियों को पूरा कीजिए—

(क) घर को ....

(ख) पर्वत पर ....

(ग) दाना चुनकर ....

(घ) श्रम का राग ....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 10 09-Apr-24 12:46:56 PM

3. कविता के अनुसार चींटी हमको क्या-क्या करना सिखाती है? लिखकर बताइए—

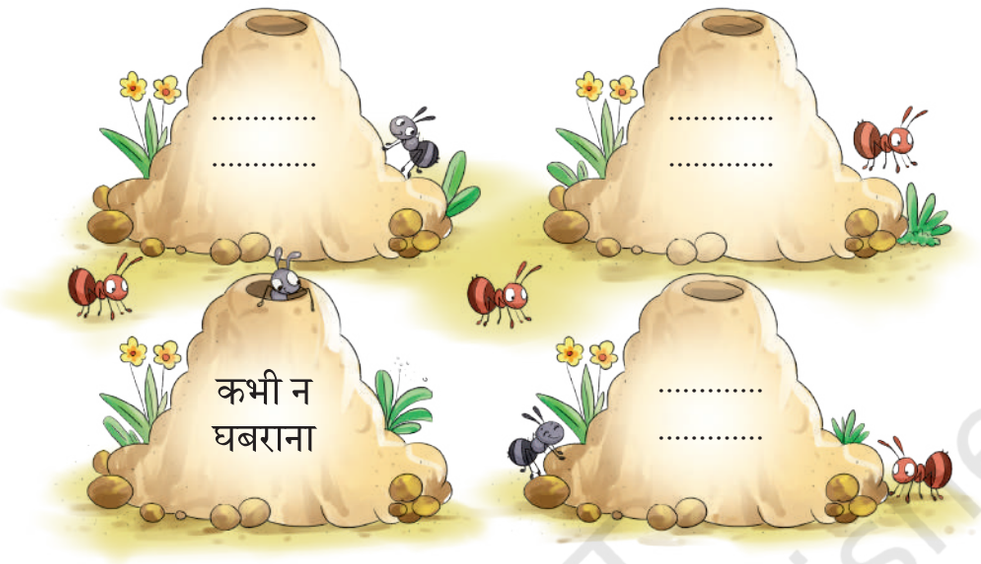

भाषा की बात

1. कविता में चींटी को क्या-क्या कहा गया है—

....कलाकार....	.....
.....	.....

2. कितनी बार आई चींटी?

'चींटी' कविता में 'चींटी' शब्द कितनी बार आया है? इन्हें गिनिए और उतनी चींटियाँ बनाकर पंक्ति को पूरा कीजिए—

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 11 09-Apr-24 12:46:56 PM

3. आइए, 'चींटी' कविता को आगे बढ़ाते हैं—

चीनी का दाना दिख जाए
उसको लेने जाती चींटी
.....
.....
.....
.....

4. शब्दों की तुकबंदी—

दाना	गाना	धूप	.....
कड़ी	.....	राग	.....

चींटी से भेंट

5. आपके घर के कई कोनों में चींटी आती-जाती है। एक दिन वह आपको रोककर आपसे कुछ कहती है। आपके और उसके बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी, लिखिए—

आप – नमस्ते चींटी! आज आप अकेली आई हैं?

चींटी – .....

आप – .....

चींटी – .....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 12 09-Apr-24 12:46:57 PM

(पढ़ने के लिए)

चींटी और हाथी की छुपन-छुपाई

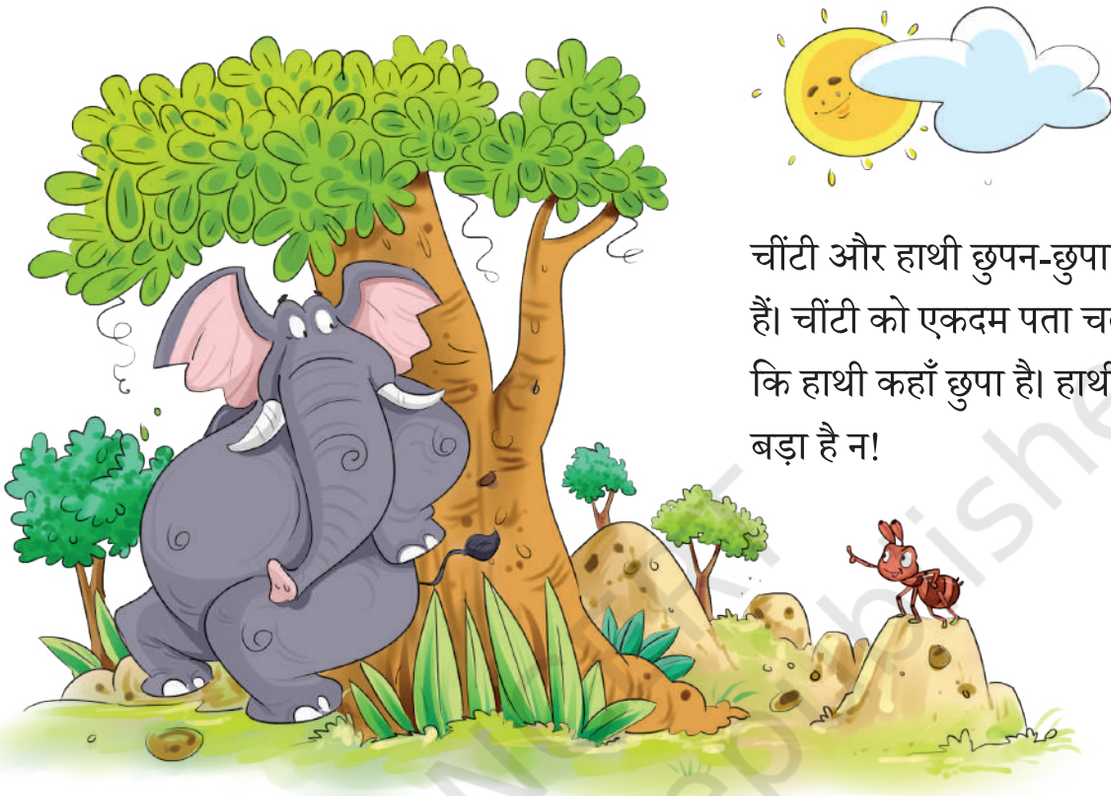

चींटी और हाथी छुपन-छुपाई खेल रहे हैं। चींटी को एकदम पता चल जाता है कि हाथी कहाँ छुपा है। हाथी का शरीर बड़ा है न!

जब चींटी एक मंदिर के भीतर छिपती है तो हाथी भी उसे एकदम ढूँढ़ लेता है। बताइए, हाथी को कैसे पता चला कि चींटी मंदिर में छिपी है?

© NCERT not to be republished

3

0331CH03

कितने पैर?

बच्चे – सुप्रभात अध्यापिका जी!

अध्यापिका – सुप्रभात बच्चो! आज हम धरती पर रहने वाले जीवों के पैरों की संख्या की बात करेंगे। जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक भी हो सकती है। अच्छा... कोई बता सकता है कि किस जीव के पैर नहीं होते?

श्याम – जी हाँ अध्यापिका जी! मुझे पता है। बरसात में मैंने बहुत केंचुए देखे हैं। उनके पैर नहीं होते। वे पेट के बल सरकते हैं।

अध्यापिका – बहुत ठीक! अब कुछ दो पैरों वाले जीवों की बात करेंगे... इन जीवों को द्विपाद कहते हैं। मनुष्य के अतिरिक्त आप और कोई द्विपाद बता सकते हैं?

© NCERT not to be republished

रमेश – क्यों नहीं! सारी चिड़ियाँ द्विपाद ही होती हैं न, अध्यापिका जी?

अध्यापिका – बिलकुल सही कहा रमेश! अब हम यदि पशुओं की बात करें तो यह बताइए कि आपने कभी किसी ऐसे पशु का नाम सुना है जिसके दो ही पैर हों?

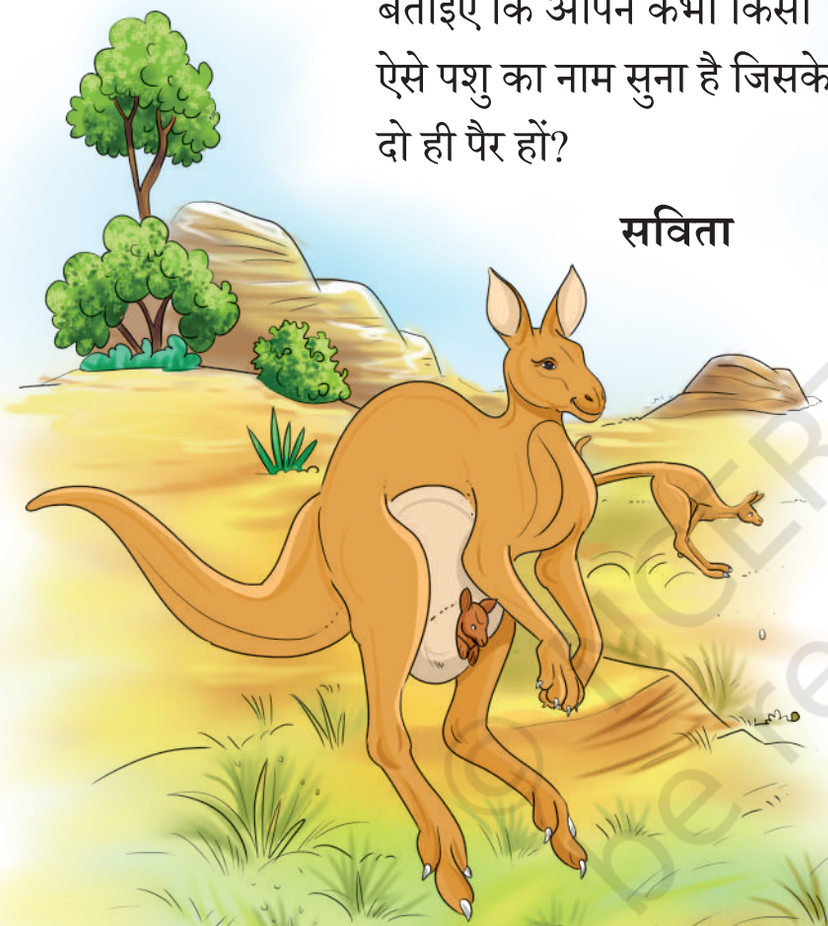

सविता – जी हाँ अध्यापिका जी! मेरी माँ एक दिन मुझे ऑस्ट्रेलिया देश के विषय में बता रही थीं और उन्होंने मुझे वहाँ पाए जाने वाले एक द्विपाद पशु का चित्र दिखाया था जो दो पैरों पर कूद-कूदकर चलता है। किंतु मैं उसका नाम भूल गई!

रजनी – हाँ... हाँ, मैंने भी उस द्विपाद पशु के विषय में एक पुस्तक में पढ़ा था जो मैं पुस्तकालय से लाई थी। मुझे उसका नाम भी याद है। उसे कंगारू कहते हैं। उसके पेट पर एक थैली भी होती है जिसमें वह अपने बच्चे को साथ ले जाता है।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 15 09-Apr-24 12:47:01 PM

अध्यापिका – वाह! वाह! आप सब बच्चे बड़े बुद्धिमान हैं। आपके पास मेरे सभी प्रश्नों के उत्तर हैं। वह जब तेजी से चलता है तो दो पैरों पर कूदकर चलता है, लेकिन जब वह धीरे चलता है तो झुककर चार पैरों पर चलने लगता है, इसलिए उसे चतुष्पाद भी कहते हैं और कभी-कभी आगे बढ़ने में वह अपनी पूँछ का भी उपयोग करता है, इसलिए उसे पंचपाद भी कहते हैं। वैसे अधिकतर पशुओं के तो चार पैर ही होते हैं, जैसे– गाय, भैंस, और..?

समीर – कुत्ता, बिल्ली, घोड़ा...

वीणा – बकरी, गधा, बंदर...

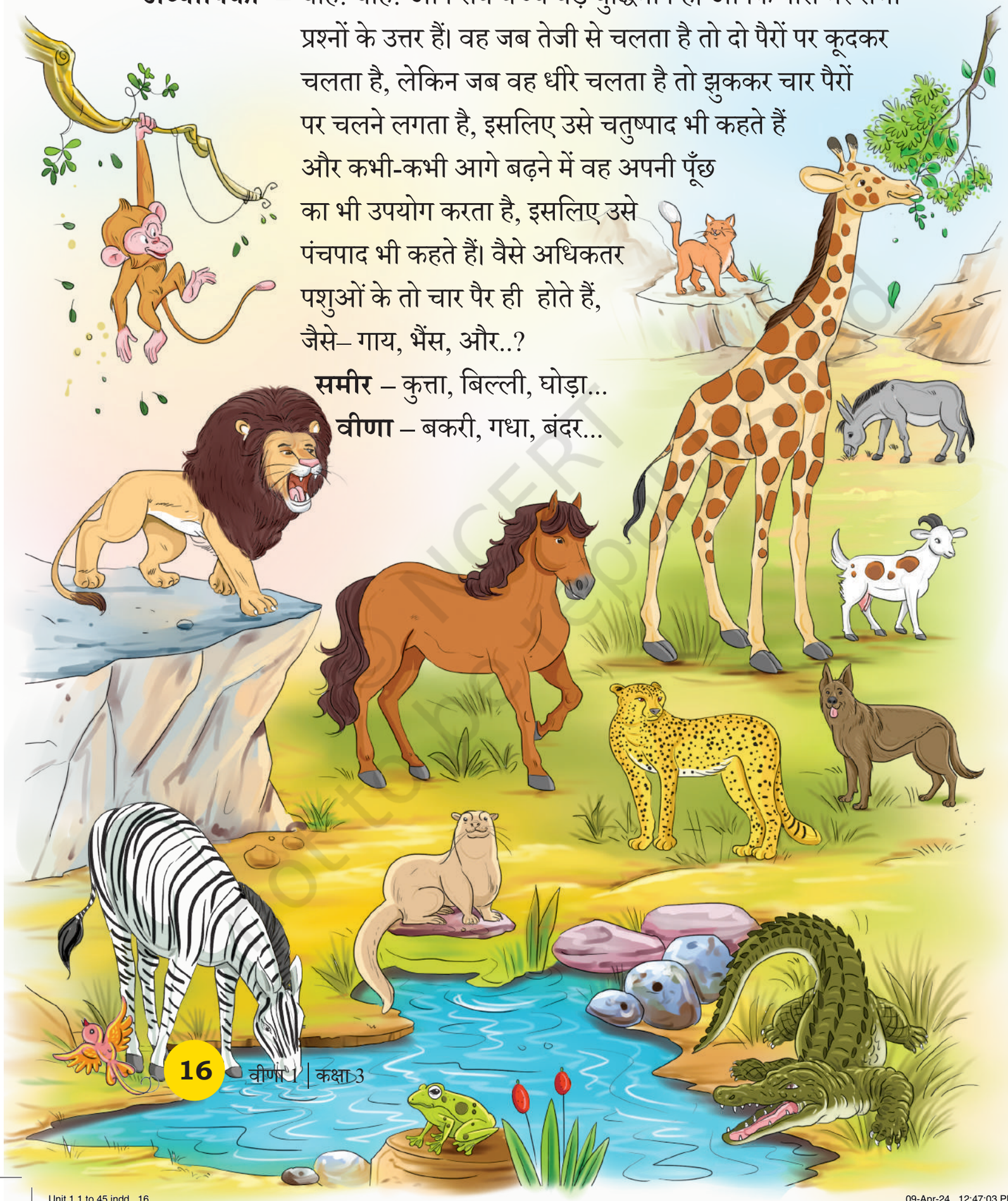

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 16 09-Apr-24 12:47:03 PM

रफ़िया – मेंढक, ऊदबिलाव, घड़ियाल…

रमेश – शेर, चीता…

बिपिन – ज़ेबरा, जिराफ़…

अध्यापिका – बहुत सही बच्चों! आप सबको तो बहुत सारे पशुओं के नाम आते हैं, लेकिन अब देखते हैं कि भिन्न-भिन्न कीटों के पैरों के विषय में आपको कितना पता है! आप सभी ने चींटे और चींटियाँ तो देखी ही हैं। बताइए उनके कितने पैर होते हैं?

मीना – अध्यापिका जी, मुझे चींटों को देखने में बड़ा आनंद आता है। उनका चलना मैंने बहुत पास से देखा है। मैंने कई बार उनके पैर भी गिन लिए और पता चला कि उनके छह पैर होते हैं।

अध्यापिका – अरे वाह! अब आप स्वयं गिनकर आई हैं तो आपका उत्तर सही ही है। आपको पता है कि चींटी के अतिरिक्त और भी कई कीटों के छह पैर होते हैं, जैसे– मक्खी, भँवरा... और?

राम – तितली?

सिमरन – झींगुर?

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 17 09-Apr-24 12:47:04 PM

अध्यापिका – शाबाश बच्चों! बहुत सही कहा। आप सब कीटों में इतनी रुचि रखते हैं तो फिर आप में से कोई किसी ऐसे कीट का नाम बता सकता है जिसके छह से अधिक पैर होते हैं?

रमेश (हँसकर) – मकड़ी!

सविता – हाँ! मकड़ी के तो आठ पैर दिखाई देते हैं, जब वह जाले पर चलती है।

अध्यापिका – बिलकुल सही बताया! अब मैं आपको एक और ऐसे कीट के विषय में बताना चाहती हूँ, जिसके तीस (३०) से लेकर तीन सौ बयासी (३८२) तक पैर हो सकते हैं अर्थात पंद्रह (१५) जोड़ी से लेकर एक सौ इक्यानवे (१९१) जोड़ी तक पैर हो सकते हैं। इस अद्‌भुत कीट का नाम है— कनखजूरा। आप में से किसी ने कनखजूरा देखा है?

सब विद्यार्थी – नहीं!!!

अध्यापिका – वास्तव में घरों में इनका मिलना कठिन है। ये अधिकतर ऐसे स्थानों में रहते हैं जहाँ सीलन और अँधेरा हो, जैसे– गीले पेड़ों के तनों के अंदर या गीली घास या पत्तों के ढेर के नीचे।... पर सोचने की बात ये है कि इतने सारे पैरों वाला कैसे चलता होगा!

–मञ्जुल भार्गव

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 18 09-Apr-24 12:47:07 PM

बातचीत के लिए

1. कुछ अन्य जीवों के नाम बताइए, जिनका उल्लेख इस पाठ में नहीं है और साथ ही उन जीवों के पैरों की संख्या भी बताइए।
2. शरीर के कौन-से अंग इधर-उधर आने-जाने में सहायता करते हैं?
3. क्या पशु-पक्षियों और छोटे-छोटे कीटों को भी इधर-उधर जाने में पैर सहायता करते हैं?
4. केंचुए के अतिरिक्त आप कोई और जीव बता सकते हैं, जिसके पैर नहीं होते हैं?
5. पैरों के अतिरिक्त, हमारे शरीर में और कौन-कौन से अंग दो की संख्या में होते हैं?

आपका पैर

अपने पैर और हाथ की बनावट को ध्यान से देखिए। आपके पैर और हाथ की बनावट में क्या समान है और क्या भिन्न है, पहचानिए और लिखिए—

	पैर	हाथ
1.	अँगूठे हैं।	अँगूठे हैं।
2.		
3.		
4.		
5.		

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 19 09-Apr-24 12:47:08 PM

पाठ के भीतर

1. सही कथन के आगे (✓) का चिह्न लगाइए—

(क) सभी जीवों के केवल दो ही पैर होते हैं।

(ख) केंचुए अपने पेट के बल सरकते हैं, क्योंकि उनके पैर नहीं होते।

(ग) दो पैर वाले जीवों को द्विपाद कहते हैं।

(घ) गाय, भैंस, बकरी आदि चतुष्पाद हैं।

(ङ) जीवों के पैरों की संख्या शून्य से लेकर कई सौ तक हो सकती है।

2. नीचे दी गई तालिका में पैरों की संख्या के अनुसार जीवों के नाम लिखिए—

शून्य पैर वाले	दो पैर वाले	चार पैर वाले	छह पैर वाले	आठ पैर वाले
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

आठ से अधिक पैर वाले – .....

3. कैसे रखें पैरों का ध्यान

अपने सहपाठियों से चर्चा करें कि हम अपने पैरों का ध्यान कैसे रख सकते हैं—

(क) नाखूनों को नियमित रूप से काटना।

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 20 16-Apr-24 3:21:58 PM

भाषा की बात

‘चार पैर वाले जीवों को चतुष्पाद कहते हैं।’ चतुष्पाद का प्रचलित शब्द चौपाया है, जिसका अर्थ है— चार पैर वाला।

1. इसी प्रकार, चार की संख्या बताने वाले कुछ और शब्द खोजकर लिखिए—

2. नीचे दिए गए उदाहरण के अनुसार तालिका पूरी कीजिए—

एक	1	१
दो	2	.....
तीन	.....	३
.....	4	४
पाँच	.....	५
छह	6	.....
.....	7	७
आठ	.....	८
.....	9	.....
दस	.....	१०

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 21 09-Apr-24 12:47:08 PM

सोचिए और लिखिए

कल्पना कीजिए कि एक दिन किसी स्थान पर कनखजूरा, केंचुआ, चिड़िया और आप एक साथ मिलते हैं। कनखजूरा अपने पैरों की बात शुरू करता है। सोचकर लिखिए कि आप सब के बीच क्या-क्या बातें होंगी।

बातचीत

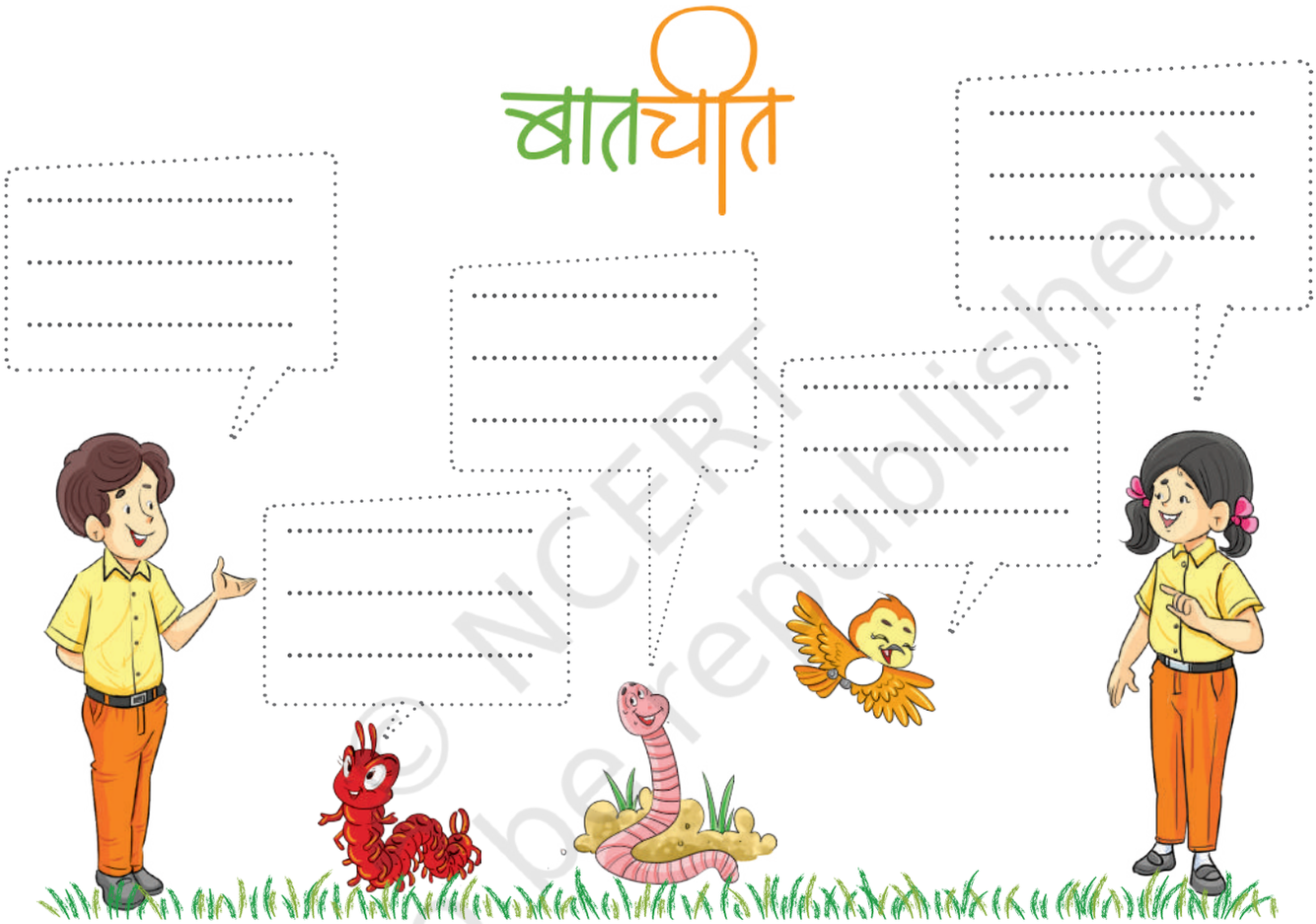

पहेली से पहले

1. आपने देखा कि एक खेत में कुछ भैंसें चर रही हैं। आपने गिना तो उनके कुल मिलाकर बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी भैंसें हैं?

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 22 09-Apr-24 12:47:10 PM

2. आपने देखा कि एक स्थान पर कई मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा तो फिर से कुल बत्तीस (३२) पैर निकले। बताइए कितनी मकड़ियाँ हैं?

3. अब, एक और स्थान पर आपने देखा कि कई चींटियाँ और मकड़ियाँ चल रही हैं। आपने गिनकर देखा कि उनके कुल मिलाकर चौंतीस (३४) पैर हैं। बताइए कितनी चींटियाँ और कितनी मकड़ियाँ हैं?

बूझो तो जानें

लालटेन ले पंखों में,
उड़े अँधेरी रात में।
जलती बाती बिना तेल के,
ठंड और बरसात में।

तीतर के दो आगे तीतर, तीतर के दो पीछे तीतर
आगे तीतर, पीछे तीतर, बोलो कितने तीतर?

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 23 09-Apr-24 12:47:11 PM

(पढ़ने के लिए)

दोस्त के जूते

मेंढक जूते बनाता था। एक दिन उसकी दुकान के सामने से एक काला चींटा निकला। चींटे के पास गुड़ की डली थी। मेंढक ने चींटे से कहा, “थोड़ा गुड़ दे दो। मच्छर खाते-खाते ऊब गया हूँ।” चींटा बोला, “अगर तुम मेरे दोस्त के लिए जूते बना दो तो आधा गुड़ तुम्हारा।”

मेंढक ने सोचा, गुड़ के बदले छह जूते बनाना अच्छा सौदा है। उसने हामी भर ली। चींटे ने आधा गुड़ मेंढक को दे दिया। अगले दिन चींटा अपने दोस्त के जूतों का नाप देने मेंढक के पास पहुँचा।

चींटे का दोस्त कनखजूरा था।

—चंदन यादव

(इकतारा ट्रस्ट की पत्रिका ‘प्लूटो’ से साभार)

© NCERT not to be republished

4 बया हमारी चिड़िया रानी!

0331CH04

आनंदमयी कविता

बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डाली पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती,
नदियों से भर लाती पानी।

तुझको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज में भर देंगे हम,
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

फिर अंडे सेयेगी तू जब,
निकलेंगे नन्हें बच्चे तब,
हम आकर बारी-बारी से,
कर लेंगे उनकी निगरानी।

फिर जब उनके पर निकलेंगे,
उड़ जाएँगे बया बनेंगे,
हम तब तेरे पास रहेंगे,
तू मत रोना चिड़िया रानी।

– महादेवी वर्मा

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?

2. यह किस पक्षी का घोंसला है?
3. आपके अनुसार घोंसले में बैठी बया क्या सोच रही होगी?
4. चिड़िया अपना घर बनाने के लिए तिनके कहाँ से लाती होगी?
5. आपने किन-किन पक्षियों के घोंसले देखे हैं?

सोचिए और लिखिए

1. बया रानी अपना घर तिनकों से बनाती है। हम अपना घर बनाते समय किन-किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं? सोचकर लिखिए—

.....

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 26 09-Apr-24 12:47:15 PM

2. पढ़िए, समझिए और रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए—

बया के काम	आपके काम
दाना लाना	स्कूल के लिए तैयार होना
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों को उलटकर लिखिए और नए शब्दों का आनंद लीजिए—

नदी	दीन	खीरा	.....
बस	.....	नीरा	.....
दबा	.....	रीना	.....

2. नीचे लिखे विपरीत अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए—

दूर	नीची
ऊँची	निकट
रोना	गर्म
ठंडा	हँसना

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 27 09-Apr-24 12:47:15 PM

3. नीचे दिए गए शब्दों में से तुक मिलने वाले शब्दों को ढूँढ़कर लिखिए—

रानी	लाती	आकर	कहेंगे	जब	तिनके
तब	बनाती	रहेंगे	लाकर	पानी	जिनके

(क) ……रानी…… – ……पानी……

(ख) …… – ……

(ग) …… – ……

(घ) …… – ……

(ङ) …… – ……

4. कविता को पढ़कर पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क)
तिनके लाकर ……
……
…… लटकाती।

(ख)
तुझको दूर ……
……
…… भर देंगे।

5. जब एक हो तो वह 'तिनका' कहलाता है और अनेक हों तो 'तिनके'।
नीचे दिए गए एकवचन शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए—

	एकवचन		बहुवचन
(क)	तिनका	–	……तिनके……
(ख)	दाना	–	……
(ग)	अंडा	–	……
(घ)	बच्चा	–	……

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 28 09-Apr-24 12:47:17 PM

खेल-खेल में

1. कविता में आए शब्दों को खोजकर उन पर घेरा लगाइए—

दा	ना	सी	डा	ली	था	नि
पी	जी	खा	भू	ही	पे	ग
व	घी	ती	मै	ऊँ	शा	रा
चि	ठं	डा	क्षी	ची	पा	नी
ड़ि	हौ	ज	धों	थे	वी	अं
या	ति	न	का	जा	खे	डा

2. पाठ में बया रानी नदियों से पानी लाती है। वह नदियों के अतिरिक्त कहाँ-कहाँ से पानी लाती होगी? रिक्त स्थानों में लिखिए—

पाठ में आया शब्द	पाठ के अतिरिक्त
नदी	........................., ..., ..., ..., ...

3. अपनी मनपसंद चिड़िया का चित्र बनाइए और उसमें रंग भरिए—

© NCERT not to be republished

4. आओ बया के लिए घर बनाएँ—

केतकी बया के लिए घर बना रही है। क्रम से बताइए कि उसे क्या पहले करना चाहिए और क्या बाद में—

(क) केतकी ने बया के लिए बनाए घर पर रंग लीपा।

(ख) नन्ही चिड़िया केतकी के बनाए घर में चली गई।

(ग) केतकी ने चिड़िया के घर को अपने दादाजी की मदद से पेड़ की टहनी पर टाँग दिया।

(घ) केतकी ने सोचा कि उसे बया के लिए घर बनाना चाहिए।

(ङ) केतकी ने माँ से गत्ते, कील, कुछ कतरनें और कैंची माँगी।

(च) केतकी ने माँ की मदद से एक सुंदर-सा घर बनाया।

5. भूलभुलैया

चित्र में दी गई 'पक्षियों की भूलभुलैया' में घर ढूँढ़ने में चिड़िया के बच्चों की सहायता कीजिए।

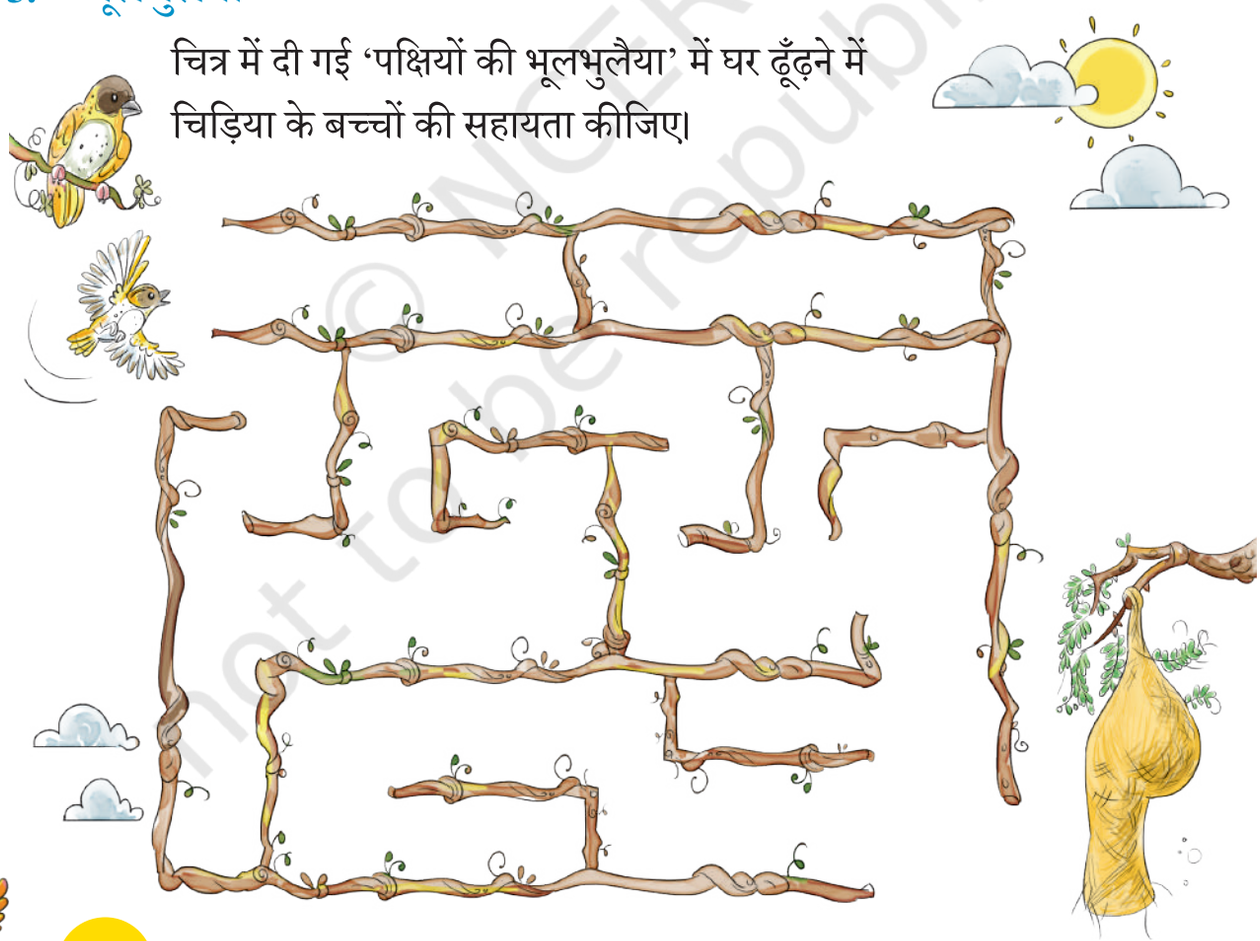

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 30 16-Apr-24 3:23:55 PM

6. नीचे दिए गए चित्र को देखकर बताइए कि बया और इस बच्ची के बीच क्या बातचीत हो रही होगी?

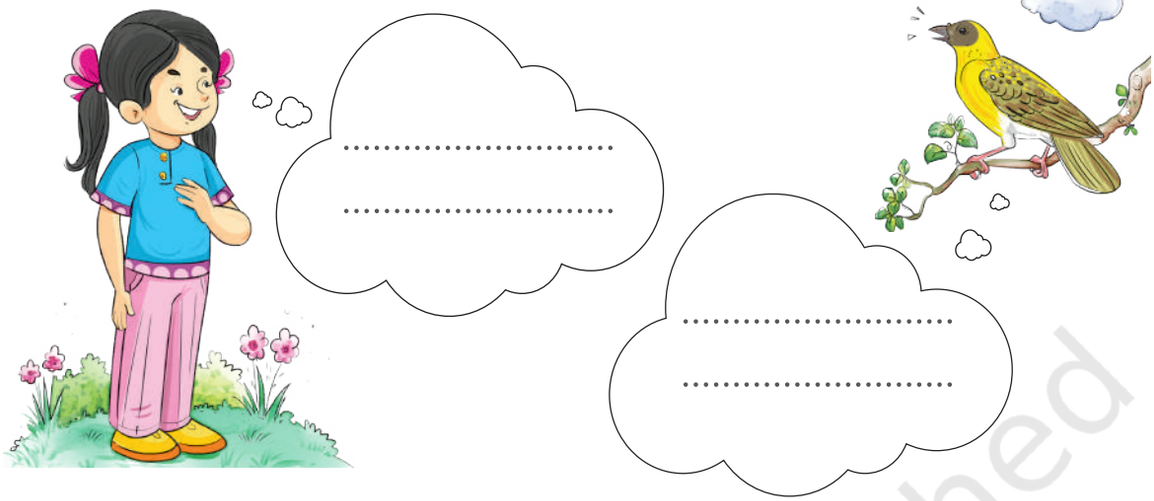

आइए बनाएँ

आवश्यक सामग्री

पुराने समाचार पत्र या पुराने कैलेंडर, कैंची, गोंद, पुराने बटन, स्केच पेन, रंगीन कागज, गोल आकार के लिए एक चूड़ी।

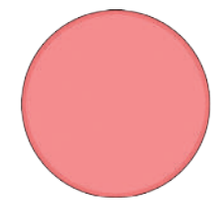
1

2

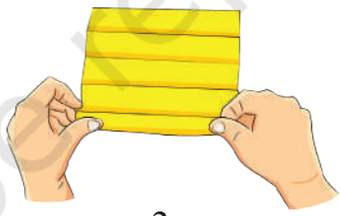
3

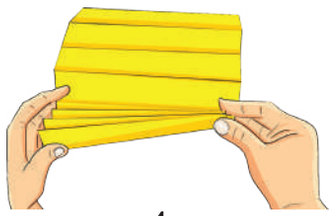
4

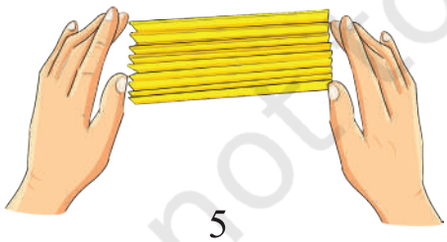
5

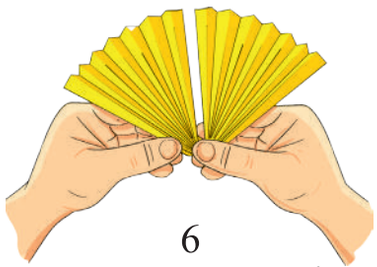
6

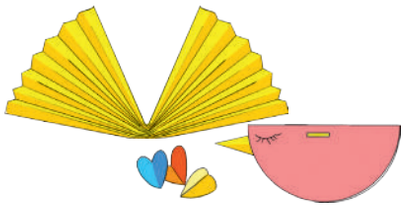
7

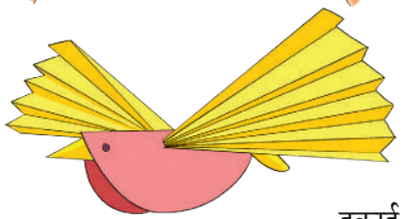
8

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 31 09-Apr-24 12:47:20 PM

बूझो तो जानें

हरे वस्त्र और लाल चोंच है,
रटना जिसका काम।
कुतर-कुतरकर फल खाता है,
लेता हरि का नाम।

कंठ सुरीला, रंग से काली,
सबके मन को भाती।
बैठ पेड़ की डाल पर,
जो सबको गीत सुनाती।

बड़े सवेरे घर की छत पर,
मिलता गाँव-गाँव।
काले रंग का पक्षी होता,
करता काँव-काँव।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 32 09-Apr-24 12:47:22 PM

5

0331CH05

आम का पेड़

सुनें कहानी

गरमियों के दिन थे। सौरभ के चाचाजी ने अपने बगीचे के एक टोकरी आम भेजे। आम बहुत मीठे थे। सौरभ को आम बहुत अच्छे लगे। उसने सोचा– ऐसे ही आम मैं अपने बगीचे में लगाऊँगा।

उसने बगीचे में एक जगह थोड़ी मिट्टी खोदी। वहाँ आम की एक गुठली डाल दी। गुठली पर मिट्टी डालकर उसने थोड़ा पानी छिड़क दिया। वह प्रतिदिन सुबह वहाँ पानी डालता। कुछ दिन बीत गए। आम का पौधा नहीं निकला। उसने पानी डालना बंद कर दिया।

© NCERT not to be republished

एक दिन हलकी-हलकी वर्षा हो रही थी। सौरभ घूमता हुआ बगीचे में उसी जगह पर जा पहुँचा। सामने ही लाल-लाल कोंपलों वाला नन्हा-सा पौधा लगा था। पौधा देखते ही सौरभ प्रसन्न हो उठा। "पौधा निकल आया, पौधा निकल आया," कहते-कहते वह अंदर भागा। अपनी छोटी बहन प्रिया का हाथ पकड़कर उसे बगीचे में ले आया। पौधा देखकर प्रिया भी खुशी से उछल पड़ी।

सौरभ बोला, "यह पौधा मैंने लगाया है। यह आम का पौधा है। इसमें खूब मीठे आम लगेंगे।" दोनों भागे-भागे पिताजी के पास गए। पिताजी बोले, "क्या बात है? आज तुम दोनों बहुत प्रसन्न हो।" प्रिया बोली, "पिताजी, बगीचे में आम का पौधा निकल आया है। अगले वर्ष हम अपने ही पौधे के आम खाएँगे।" उसकी बात सुनकर पिताजी हँसे। वे प्यार से बोले,

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 34 09-Apr-24 12:47:24 PM

“छोटे से पौधे को बड़ा होने में बहुत समय लगेगा। चार-पाँच वर्ष में यह एक बड़ा पेड़ बन जाएगा। इसका तना मोटा होगा। बड़ी-बड़ी शाखाएँ होंगी। तब इसमें आम लगेंगे।”

यह सुनकर प्रिया थोड़ी उदास हो गई। पर सौरभ तुरंत बोला, “कोई बात नहीं। हम पौधे की देखभाल करेंगे। एक दिन हम इसके फल अवश्य खाएँगे।”

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 35 09-Apr-24 12:47:25 PM

बातचीत के लिए

1. आपको कौन-सा फल बहुत अच्छा लगता है? वह फल आपको क्यों पसंद है?
2. आपके घर या विद्यालय में कौन-से पेड़-पौधे लगे हैं? उनकी देखभाल कौन करता है?
3. चित्र में कुछ आम धरती पर गिरे पड़े हैं। आम पेड़ से नीचे क्यों गिर गए होंगे?
4. चित्र में दिखाए गए बच्चे और व्यक्ति आमों का क्या करेंगे?

सोचिए और लिखिए

1. सौरभ के चाचाजी ने सौरभ को किस मौसम में आम भेजे?
2. आम खाकर सौरभ के मन में क्या विचार आया?
3. सौरभ ने पानी डालना क्यों बंद कर दिया? क्या उसे ऐसा करना चाहिए था?
4. सौरभ और उसकी बहन क्यों प्रसन्न थे?
5. पिताजी ने आम के पौधे के बारे में सौरभ और उसकी बहन को कौन-सी बात बताई?

Unit 1 1 to 45.indd 36 09-Apr-24 12:47:26 PM

आपका अनुमान, किसने क्या कहा?

1. नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र दिए गए हैं। चित्र में दिख रहे पात्र आपस में क्या बात कर रहे होंगे, अनुमान लगाकर लिखिए—

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 37 09-Apr-24 12:47:27 PM

आइए पौधा लगाएँ

1. यहाँ बहुत-सी वस्तुओं के चित्र बने हैं। उन वस्तुओं पर घेरा बनाइए जो पौधा लगाने के काम आती हैं—

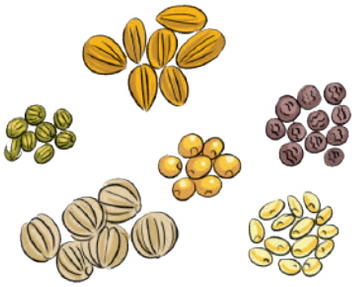
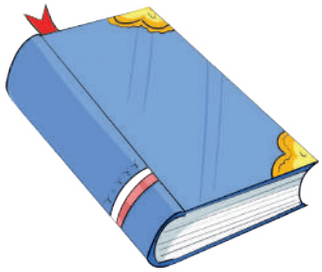

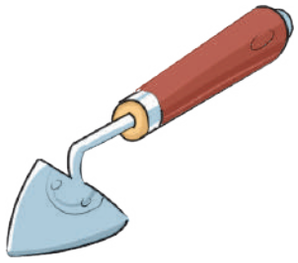

© NCERT not to be Republished

Unit 1 1 to 45.indd 38 09-Apr-24 12:47:27 PM

गुठली की बुआई का क्रम

2. सौरभ आम की गुठली बो रहा है। क्रम से बताइए कि उसने पहले क्या किया होगा—

(क) धरती पर पानी डाला। .....

(ख) खुरपी से धरती में गड्ढा खोदा। .....

(ग) गुठली बोने के लिए अपनी माँ से सही स्थान का सुझाव माँगा। .....

(घ) माता-पिता से गुठली बोने की इच्छा बताई। .....

(ङ) बाल्टी में पानी लेकर आया। .....

(च) माताजी से गुठली बोने की जानकारी ली। .....

(छ) गड्ढे में गुठली डालकर उस पर मिट्टी डाली। .....

(ज) गड्ढे में खाद डाली। .....

सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर

3. आइए, सौरभ और प्रिया के बगीचे की सैर करते हैं। पता लगाते हैं कि वहाँ क्या-क्या है? चित्र देखकर पेड़ों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए—

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 39 09-Apr-24 12:47:28 PM

....

4. सौरभ और प्रिया ने फल, साग और अनाज के नामों की सूची बनाई है। आइए, सही टोकरी में सही वस्तु रखते हैं—

आम करेला गेहूँ सेब ककड़ी आलू बाजरा
मूली पपीता लौकी चावल लीची केला बैंगन
गाजर अनार मकई पालक

....
....
....
....
....
....

फल की टोकरी

अनाज की टोकरी

सब्जी की टोकरी

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 40 09-Apr-24 12:47:29 PM

5. मेरे विद्यालय में पेड़-पौधे

(क) आपके विद्यालय में कौन-कौन से पेड़-पौधे लगे हैं? पता लगाइए और उनकी सूची बनाइए।

....

....

....

(ख) विद्यालय के पेड़-पौधों की देखभाल के लिए आप और आपके सहपाठी क्या योगदान देते हैं, लिखिए—

.....

.....

.....

भाषा की बात

1. कहानी के अनुसार विशेषता लिखिए—

मीठे	आम
नन्हा	पौधा
.....	बहन
.....	शाखाएँ
.....	तना
.....	कोंपलें

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 41 09-Apr-24 12:47:30 PM

2. कौन-सा पौधा लगाएँगे?

आप अपने बगीचे या गमले में कौन-सा पौधा लगाना चाहेंगे?

मैं अपने बगीचे या गमले में ..... का पौधा लगाना चाहूँगी/चाहूँगा, क्योंकि .....

.....

3. सौरभ ने आम की गुठली बोई। नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए—

गुठली वाले फल	बिना गुठली वाले फल
आम	केला
.....	.....
.....	.....
.....	.....

4. काम और नाम वाले शब्द

कहानी में से काम और नाम वाले शब्द छाँटकर लिखिए—

काम वाले शब्द	नाम वाले शब्द
खोदना	चाचाजी
भेजना	सौरभ
.....	.....
.....	.....
.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 42 09-Apr-24 12:47:30 PM

5. चाचाजी के प्रति सौरभ का आभार

सौरभ के चाचाजी ने उसके लिए मीठे-मीठे आम भेजे हैं। सौरभ उन्हें धन्यवाद कहना चाहता है। सौरभ को उन्हें क्या संदेश लिखना चाहिए—

आदरणीय चाचाजी .....

.....

.....

खेल-खेल में

नीचे दिए गए भूलभुलैया के खेल में एक फल को दूसरे फल से मिलाते हुए भूलभुलैया से बाहर निकलने में प्रिया की सहायता कीजिए—

सेब	भिंडी	केला	तोरी	नीबू
तरबूज	आम	पपीता	खरबूजा	आलू
पेठा	करेला	घीया	अनार	कद्दू
शिमला मिर्च	अरबी	बैंगन	आलूबुखारा	अनानास
कटहल	हरी मिर्च	लहसुन	अदरक	अंगूर

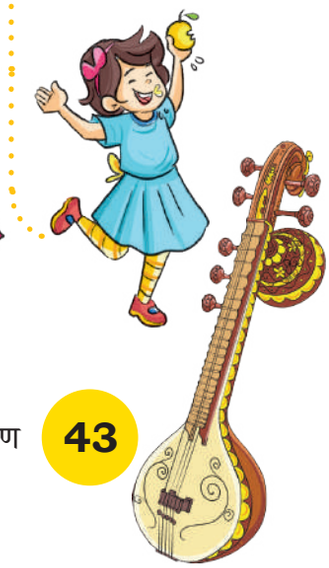

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 43 09-Apr-24 12:47:30 PM

कला की कलाकारियाँ

1. नीचे दिया गया पेड़ का चित्र हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से बनाया गया है। आप भी अपने हाथ की छाप और उँगलियों की सहायता से ऐसा एक पेड़ बनाने का प्रयास कीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 44 09-Apr-24 12:47:31 PM

खोजें-जानें

1. आम के प्रकार

आपने आम के विभिन्न प्रकार के नाम सुने होंगे, जैसे– दशहरी, सिंदूरी, चौसा आदि। घर के बड़ों से पूछकर कुछ और नाम पता करके लिखिए—

....

....

....

बूझो तो जानें

लाल-लाल डिबिया के अंदर,
छोटे-छोटे पीले खाने।
इन खानों के भीतर हैं,
सफेद लाल मोती के दाने।

ऊपर से तो है हरा,
अंदर से है लाल।
उतना मीठा रस भरा,
जितनी मोटी खाल।

© NCERT not to be republished

Unit 1 1 to 45.indd 45 09-Apr-24 12:47:32 PM